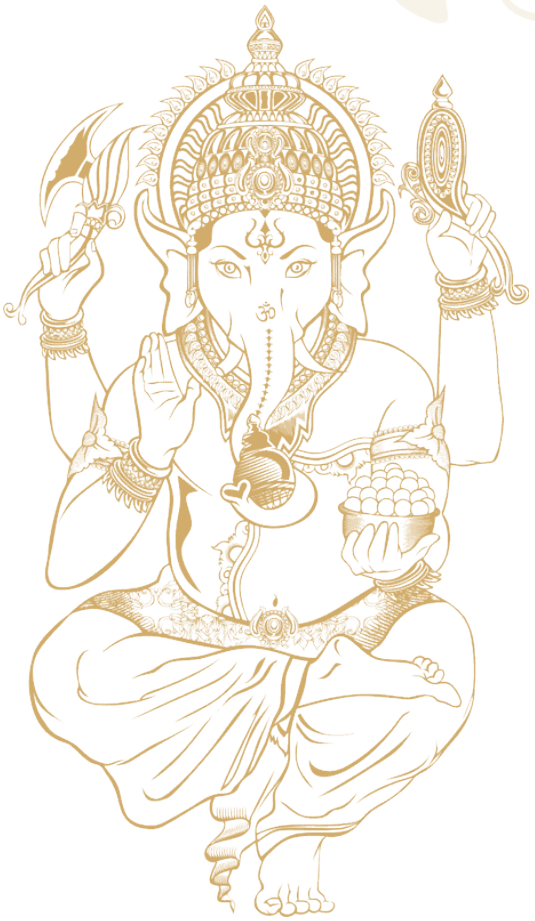

Durgesh

Dimpal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121295903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14-15/09/2000	जन्म तिथि	28/09/2005
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 03:40:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 53:55:49	जन्म समय(घटी)	04:28:32 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:40	सूर्योदय	06:12:35
18:25:54	सूर्यास्त	18:10:35
23:51:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:10

विंशोत्तरी शनि 7वर्ष 2मा 27दि केतु 12/12/2024 12/12/2031		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 6वर्ष 4मा 1दि बुध 30/01/2012 29/01/2029	
केतु	10/05/2025	25:58:03	कर्क	लग्न	तुला	03:49:25	बुध	27/06/2014
शुक्र	10/07/2026	28:31:04	सिंह	सूर्य	कन्या	11:07:58	केतु	24/06/2015
सूर्य	15/11/2026	11:35:07	मीन	चंद्र	कर्क	12:13:09	शुक्र	24/04/2018
चन्द्र	16/06/2027	04:49:06	सिंह	मंगल	मेष	29:19:41	सूर्य	01/03/2019
मंगल	12/11/2027	17:12:28	कन्या	बुध	कन्या	18:58:56	चन्द्र	30/07/2020
राहु	30/11/2028	17:01:01	वृष	गुरु	तुला	00:01:16	मंगल	27/07/2021
गुरु	05/11/2029	24:14:57	कन्या	शुक्र	तुला	24:54:28	राहु	14/02/2024
शनि	15/12/2030	07:06:39	वृष व	शनि	कर्क	14:42:38	गुरु	22/05/2026
बुध	12/12/2031	28:59:35	मिथु व	राहु व	मीन	19:44:36	शनि	29/01/2029
		28:59:35	धनु व	केतु व	कन्या	19:44:36		
		23:42:40	मक व	हर्ष व	कुंभ	13:49:24		
		10:10:41	मक व	नेप व	मक	21:06:17		
		16:27:43	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	28:03:56		

लग्न-चलित

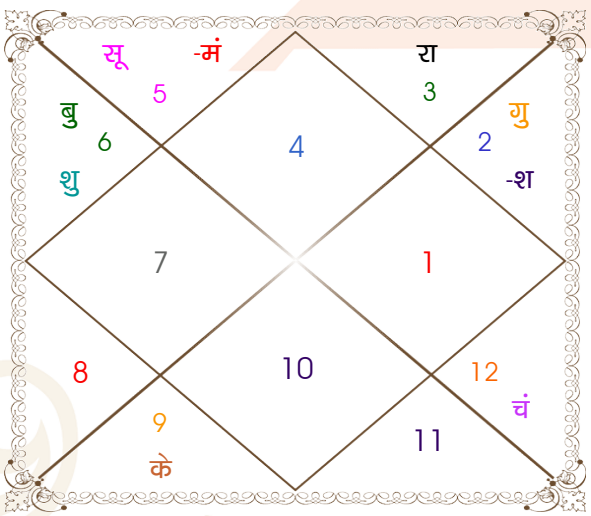

लग्न-चलित

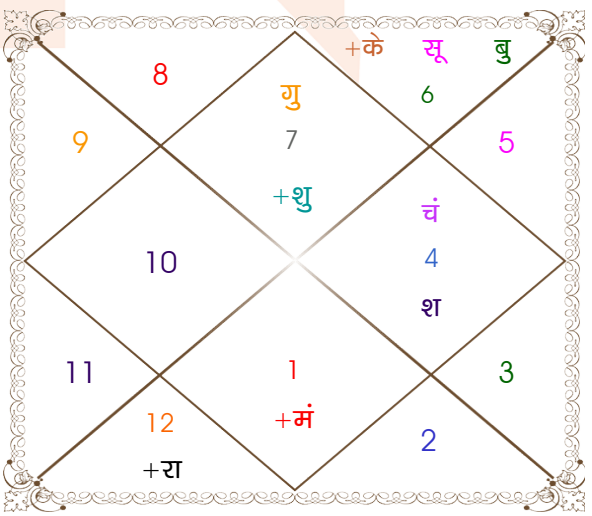

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Dimpal का नक्षत्र पुष्य है।

Durgesh का वर्ग सिंह है तथा Dimpal का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Durgesh और Dimpal का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Durgesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Dimpal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Dimpal कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात यदि बली गुरु और शुक्र स्वराशि या उच्च होकर लग्न या सप्तम भाव में हों तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि गुरु और शुक्र Dimpal कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Dimpal कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Dimpal कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Durgesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Durgesh तथा Dimpal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।